सर्वात्मा भगवान शिव का पूजन-वन्दन

सिद्धयोग पथ पर अध्ययन किए जाने वाले शास्त्रों से उद्धरण

असीम संरक्षण

चन्द्रशेखराष्टकम्, श्लोक ७

आप भक्तवत्सल हैं। आप पूजा का परम लक्ष्य हैं और अक्षय निधि हैं। आपने हरे वस्त्र धारण किए हैं, आप समस्त प्राणियों के स्वामी हैं, परात्पर परब्रह्म हैं — जो अगाध और अद्वितीय है। आपके स्वरूप में चन्द्रमा, जल, आकाश, अग्नि, अमृत का पान करने वाले [देवगण], व्योम और वायु समाहित हैं। हे चन्द्रशेखर, मैं आपमें आश्रय लेता हूँ तो मृत्यु के स्वामी, यमराज मुझे क्या कर सकते हैं?

The Power of Chanting [गणेशपुरी, गुरुदेव सिद्धपीठ, १९९०], पृष्ठ ७।

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।